(...Prices) ।

I. सकल घरेलू उत्पाद
(GROSS DOMESTIC PRODUCT – GDP)

सकल घरेलू उत्पाद से हमारा आशय एक देश की घरेलू सीमा में एक वर्ष में उत्पादित सभी वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य से है।

अर्थव्यवस्था में अनेक क्षेत्रों में उत्पादन क्रिया चलती रहती है जिसमें चीनी, कपड़ा, स्टील, खाद, गेहूँ आदि वस्तुओं तथा सरकारी प्रकाशन, बैंक, बीमा तथा परिवहन आदि सेवाओं का निर्माण होता है। इन समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्य के जोड़ को ही सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं।

उदाहरण 1—मान लीजिए, एक अर्थव्यवस्था में तीन वस्तुएँ—गेहूँ, चीनी और लोहा हैं। वर्ष 2004-2005 में इन तीनों वस्तुओं का उत्पादन क्रमशः 2,000 क्विंटल; 1,000 क्विंटल तथा 3,000 टन है। तीनों वस्तुओं की कीमतें क्रमशः 300 रु., 500 रु. और 700 रु. थीं, ऐसी स्थिति में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) को निम्न प्रकार आकलित किया जायेगा :

सारणी 1 : सकल घरेलू उत्पाद, वर्ष 2004-2005

वस्तु	मात्रा (इकाइयाँ)	कीमत प्रति इकाई (रु. में)	सकल मौद्रिक मूल्य (रु. में)
गेहूँ	2,000	300	6,00,000
चीनी	1,000	500	5,00,000
लोहा	3,000	700	21,00,000
सकल घरेलू उत्पाद (GDP)			32,00,000

स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था का GDP 3,20,000 रुपये है।

परन्तु वास्तव में किसी देश की अर्थव्यवस्था में तीन वस्तुओं के स्थान पर सैकड़ों व हजारों किस्म की वस्तुएँ और सेवाएँ होती हैं जिनके कुल बाजार मूल्य को उपरोक्त प्रकार से ज्ञात किया जा सकता है। सकल घरेलू उत्पाद की गणना **बाजार कीमत** पर किये जाने के कारण इसे **बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद** (GDP at Market Price) भी कहा जाता है।

सूत्र रूप में,

$$GDP_{MP} = P(O)P(S)$$

जहाँ पर, P = प्रति इकाई मूल्य, O = भौतिक वस्तुएँ, S = भौतिक सेवाएँ।

सकल घरेलू उत्पाद में निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्र के उत्पादन को शामिल किया जाता है। इसे निम्नलिखित रूप में भी प्रस्तुत किया जा सकता है :

$$GDP_{MP} = C_p + C_g + I_p + I_g$$

जिसमें C_p = निजी क्षेत्र में उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन

C_g = सरकारी क्षेत्र में उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन

I_p = निजी क्षेत्र में पूँजीगत वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन
I_g = सरकारी क्षेत्र में पूँजीगत वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन[1]

II. शुद्ध घरेलू उत्पाद
(NET DOMESTIC PRODUCT OR NDP)

यह सामान्य अनुभव की बात है कि उत्पादन के दौरान पूँजीगत वस्तुओं, जिस प्रकार मशीनों, औजारों, ट्रेक्टरों, फैक्टरी की इमारतों आदि का ह्रास होता है। एक समय-अवधि के बाद इन पूँजीगत वस्तुओं का प्रतिस्थापन आवश्यक हो जाता है इसलिए कुल उत्पादन में से एक हिस्सा घिसावट व्यय के लिए अलग होता है। इस प्रकार सकल घरेलू उत्पाद में से घिसावट-व्यय को घटाने पर शुद्ध घरेलू उत्पाद प्राप्त होता है।

सूत्र रूप में,

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद = सकल घरेलू उत्पाद – ह्रास

$(NDP_{MP} = GDP_{MP} - Depreciation)$

उदाहरण 2—निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद एवं शुद्ध घरेलू उत्पाद ज्ञात कीजिए :

सारणी 2

मदें	राशि (करोड़ रुपये)	मदें	राशि (करोड़ रु
(i) उपभोक्ता वस्तुओं का मूल्य	360	(iv) पूँजीगत सेवाओं का उत्पादन	36
(ii) उपभोक्ता सेवाओं का मूल्य	96	(v) ह्रास	12
(iii) पूँजीगत वस्तुओं का उत्पादन	192		

हल—सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) = उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन + उपभोक्ता सेवाओं का उत्पादन + पूँजीगत वस्तुओं का उत्पादन + पूँजीगत सेवाओं का उत्पादन

= 360 + 96 + 192 + 36 = 684 करोड़ रुपये

शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) = सकल घरेलू उत्पाद – ह्रास

= 684 – 12 = = 672 करोड़ रुपये

उदाहरण 3—बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद की गणना कीजिए :

सकल घरेलू उत्पादन = 6,000 करोड़ रु.

ह्रास = 600 करोड़ रु.

हल : शुद्ध घरेलू उत्पाद = सकल घरेलू उत्पाद – ह्रास

= 6,000 – 600 = 5,400 करोड़ रुपये

Scanned with CamScanner